केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद में BAPS स्वामीनारायण संस्था के "कार्यकर सुवर्ण महोत्सव" को संबोधित किया

भगवान स्वामीनारायण से शुरू हुए इस संप्रदाय में BAPS ने समाज में भक्ति के साथ-साथ समाजसेवा को भी जोड़ने का काम किया है

BAPS के कार्यकर "संस्कृति, धर्म, समाज और सेवा" के संकल्प के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 2047 में 'विकसित भारत' की रचना का भी संकल्प लें

प्रमुख स्वामी महाराज जी ने एक सन्यासी संस्था में अनुशासन व सेवा का ऐसा भाव जगाया, जिससे हजारों लोग प्रेरित हुए

प्रमुख स्वामी महाराज जी ने लाखों लोगों के जीवन में प्रेरणा, विश्वास, संकट से जूझने का साहस और परिणामलक्षी काम करने की प्रेरणा दी

आज देश-विदेश में 1200 से अधिक स्वामीनारायण मंदिर लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन में प्रकाश फैलाने का काम कर रहे हैं

इस संस्था ने अनेक लोगों के जीवन में व्यसनमुक्ति लाकर उन्हें और उनके पूरे परिवार को चिंतामुक्त किया

बीज, वृक्ष और फल के रूप में इस संगठन ने एक लाख से ज़्यादा कार्यकर्ताओं के माध्यम से अनेक सुफल समाज में पहुंचाए हैं

पूरी दुनिया में एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं का इस प्रकार का संगठन मिलना अकल्पनीय, अतुलनीय और असंभव है

प्रविष्टि तिथि: 07 DEC 2024 10:07PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद में BAPS स्वामीनारायण संस्थान के "कार्यकर सुवर्ण महोत्सव" को संबोधित किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि दुनिया के सबसे विशाल नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आज का ये कार्यक्रम एक बहुत शुभ संयोग है जब प्रमुख स्वामी महाराज की 103वीं जयंती के साथ-साथ BAPS कार्यकर्ता का सुवर्ण महोत्सव भी मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान

स्वामी नारायण से शुरू हुए इस संप्रदाय में BAPS ने समाज में भक्ति के साथ-साथ समाजसेवा को भी मिलाने का काम किया। श्री शाह ने कहा कि 18 वर्ष की अल्पायु में जीवन त्यागकर गुरू की सेवा करने के कारण एक ऐसा विराट व्यक्तित्व पूरे भारतवर्ष को मिला जिन्होंने एक सन्यासी संस्था में अनुशासन लाने और उसे सेवाभिमुख बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज ने लाखों लोगों के जीवन में प्रेरणा भरी, विश्वास का मंत्र दिया, संकट से जूझने का साहस दिया और परिणामलक्षी काम करने के लिए उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज देश विदेश में 1200 से अधिक स्वामी नारायण मंदिर लोगों के जीवन में प्रकाश फैलाने का काम कर रहे हैं।

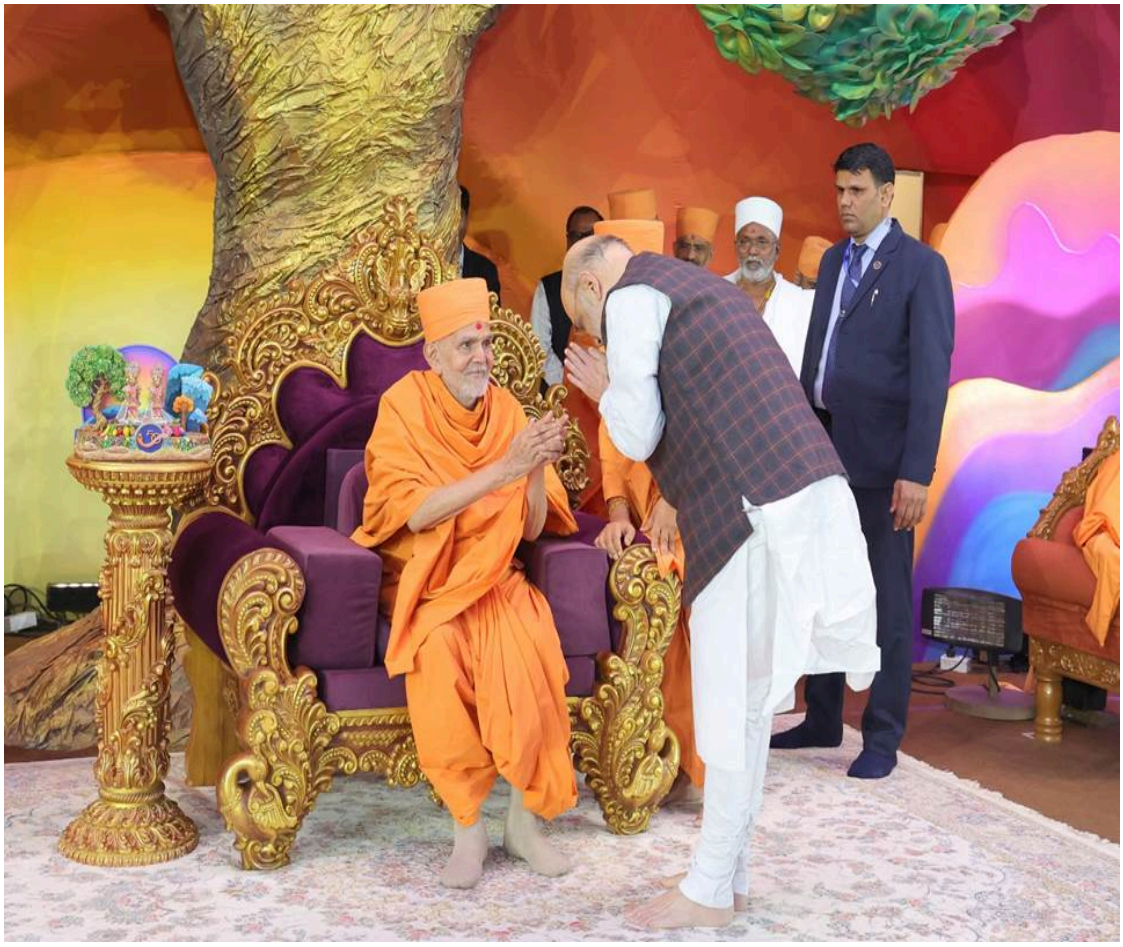

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि स्वामी नारायण संस्थान का सबसे बड़ा योगदान संस्कार पर बल देने का रहा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान ने कई लोगों के जीवन में व्यसनमुक्ति लाकर उन्हें और उनके पूरे परिवार को चिंतामुक्त किया है। उन्होंने कहा कि समाज के दुख को अपना दुख समझने वाले लाखों कार्यकर्ताओं का सृजन और सभी को एक ही लक्ष्य पर चलने के लिए प्रेरित करना बहुत मुश्किल काम है। श्री शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज ने अपने जीवन कर्म से ये किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी स्वामी नारायण संप्रदाय का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

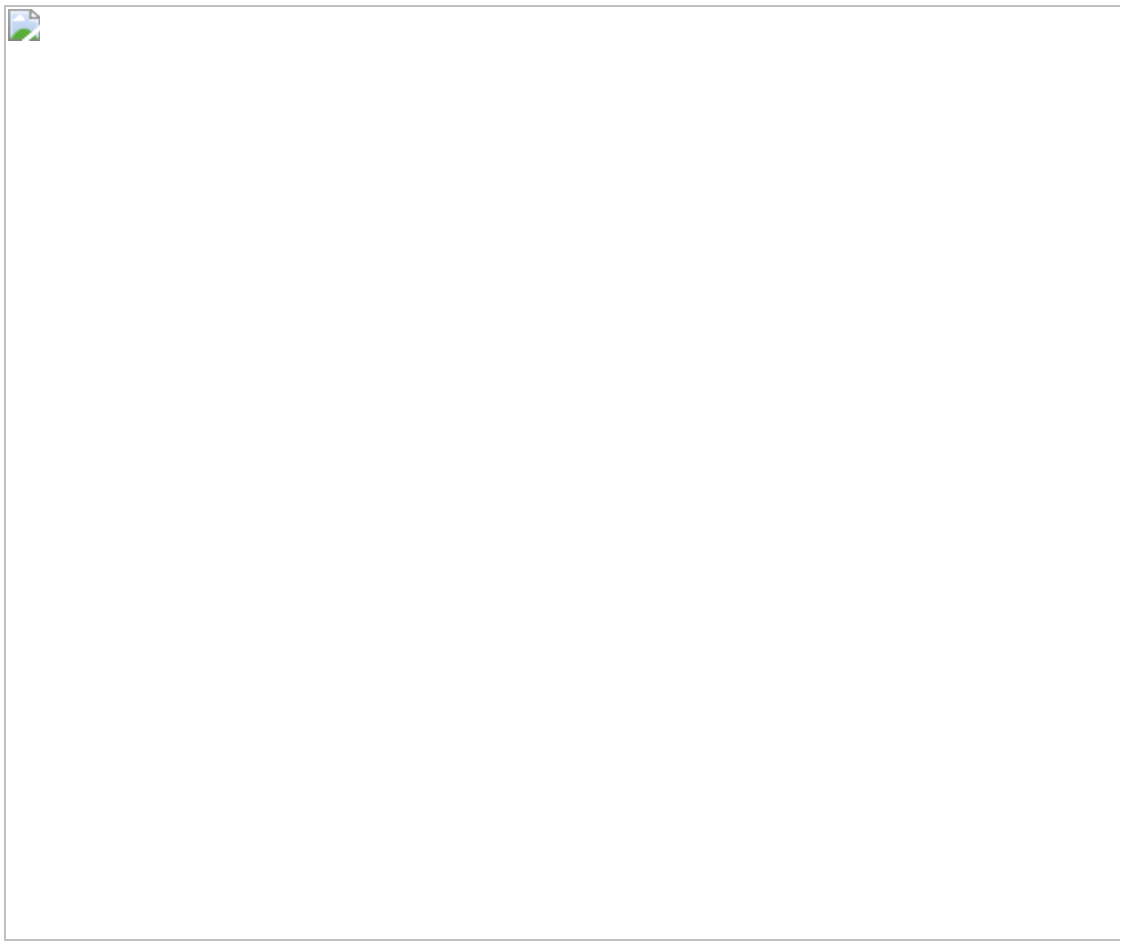

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज ने 1972 में इस बिखरे हुए संगठन को संगठित करने, इसे एक संस्था बनाने और इंस्टीट्यूश्नलाइज़ करने का काम किया। उन्होंने कहा कि मात्र 8 कार्यकर्ताओं से शुरू हुआ ये संगठन आज लाखों कार्यकर्ताओं के साथ चल रहा है और इससे पता चलता है कि एक संत हमें जीवन में कितना कुछ दे सकता है। श्री शाह ने कहा कि बीज, वृक्ष और फल के रूप में इस संगठन ने एक लाख से ज़्यादा कार्यकर्ताओं के माध्यम से इसके सुफल समाज में पहुंचाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज की प्रेरणा ने संस्कृति, धर्म, समाज और सेवा को चैनलाइज़ करने का काम किया है।

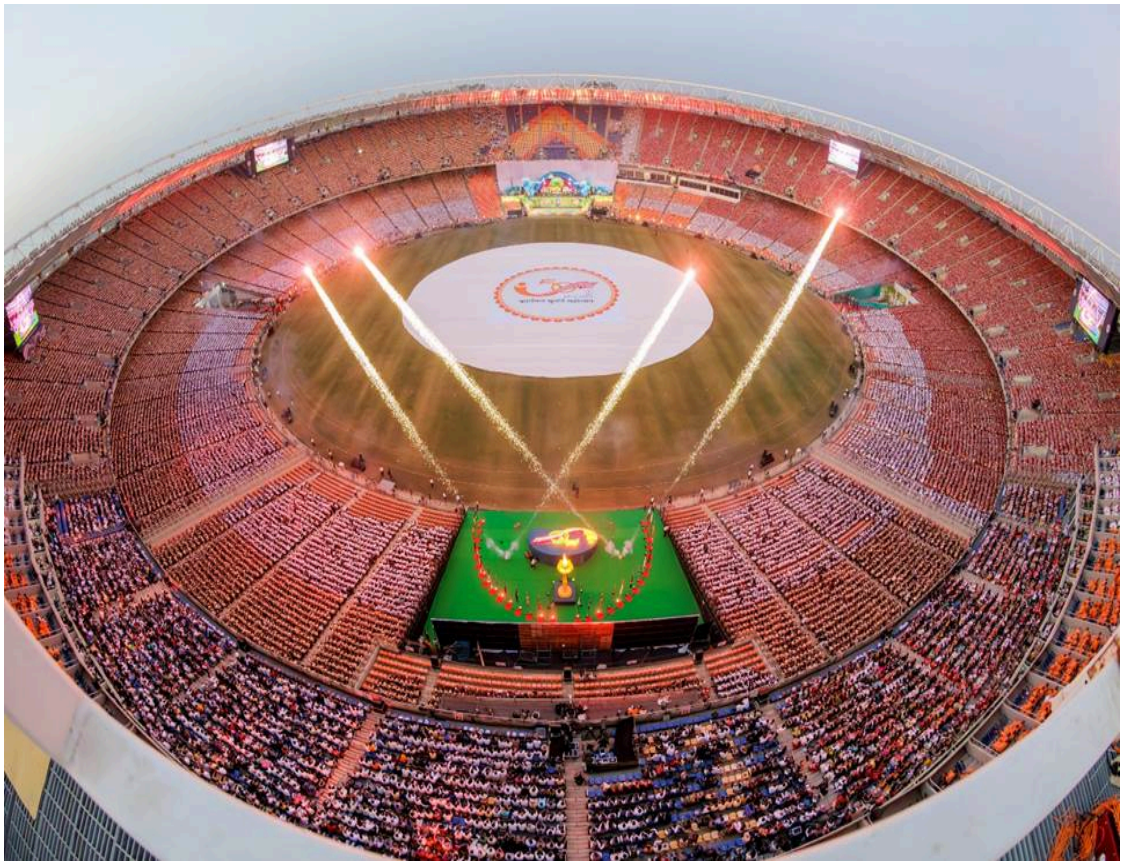

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया में एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं का इस प्रकार का संगठन कहीं नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये अकल्पनीय, अतुलनीय और असंभव है। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से 2047 में भारत की आज़ादी की शताब्दी के समय एक महान भारत की रचना का संकल्प 140 करोड़ लोगों ने लिया है। उन्होंने कहा कि हम सभी संस्कृति, धर्म, समाज और सेवा के संकल्प के साथ-साथ महान भारत की रचना के संकल्प को लें और इस दिशा में अपने जीवन को फिर से प्रेरित करें।

*****

आरके / वीवी / आरआर / पीआर

(रिलीज़ आईडी: 2082045) आगंतुक पटल : 247

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English